

8	तुरीय कालांश	9:30 बजे से 10:10 बजे तक (40 मिनट)	10:30 बजे से 11:10 बजे तक (40 मिनट)
9	चतुर्थ कालांश	10:10 बजे से 10:50 बजे तक (40 मिनट)	11:10 बजे से 11:50 बजे तक (40 मिनट)
10	मध्याह्नार	10:50 बजे से 11:15 बजे तक (25 मिनट)	11:50 बजे से 12:15 बजे तक (25 मिनट)
11	पंचम कालांश	11:15 बजे से 11:55 बजे तक (40 मिनट)	12:15 बजे से 12:55 बजे तक (40 मिनट)
12	षष्ठम कालांश	11:55 बजे से 12:35 बजे तक (40 मिनट)	12:55 बजे से 01:35 बजे तक (40 मिनट)
13	सप्तम कालांश	12:35 बजे से 01:10 बजे तक (35 मिनट)	01:35 बजे से 02:10 बजे तक (35 मिनट)
14	आठम कालांश	01:10 बजे से 01:45 बजे तक (35 मिनट)	02:10 बजे से 02:45 बजे तक (35 मिनट)

**नोट-** ईश्वरिक मुकाबला का लिए मुख्य विषयों के लिए विशेषण का कार्य यथासम्भव प्रदर्शन 06 कालांग संस्था निर्दिष्ट किया जाए। विवाहितों के सार्वभौमिक विकास के लिए साहस्रों विविध विषयों में स्थानकारी वाद-विवाद प्रतियोगिता, भाषण, निदन्व-लेखन इत्यादि विशेष ध्यान दिया जाए।

1. 01 जुलाई 2015 से सभी विद्यालय प्रशासनमें एक पारी में बलाए जाएंगे। यह विद्यालय दरबानमें दो पारी में बल रखें हैं ताकि विद्यालय की परिवर्तनीयता 1 जुलाई 2015 के आगे भी दो पारी/अधिकारी दो पारी में बलाना हो। तो संस्कृत प्राप्तीविधिय के साथ प्रस्ताव सम्बन्धित जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक / माध्यमिक) विद्यालय प्रस्तुत करें तथा जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक / माध्यमिक) और विधीय की जांच करने के लिए एक अनुद्योग समिति लिये जाने के सम्बन्धित मानदण्ड उपलब्ध कराएं।

15 जुलाई—2015 तक प्रेषित करेंगे जिला मण्डल उपनिवेशक मण्डल के संस्कृतप्रसारा को 31 जुलाई—2015 तक निर्देशालय (प्रारम्भिक / माध्यमिक) को प्रेषित करेंगे। संस्कृतमण्डल उपनिवेशक निर्देशालय (प्रारम्भिक / माध्यमिक) से संरक्षित प्राप्त करने पश्चात ही विद्यालय को दो पारी में बलाने की स्थीरता प्रदान करेंगे।

## 2. दो पारी में संचालित विद्यालयों का समय

क्र.सं.	अवधि	शाला संचालन का समय
1	01 अप्रैल से 30 सितम्बर तक	प्रातः 7.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक (प्रत्येक पारी 5.30 घंटे)
2	01 अक्टूबर से 31 मार्च तक	प्रातः 7.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक (प्रत्येक पारी 5.00 घंटे)

3. दो पारी विद्यालय (भारतीयिक / उच्च माध्यमिक) के संस्था प्रधान का समग्र प्रातः 10:00 से शाम 5:00 बजे तक रहेगा । ये अपने रस्ते पर विद्यालय से इसीमा कोई भी परिवर्तन नहीं होगा । 4. सरकारी से स्थानीय वार्षिक प्राप्ति प्राप्ति लेने तक भवित्व में 20 नियम "विद्यालय प्रसारण कार्यक्रम" विद्यालयी कार्य दिवस को प्रसारित किया जाएगा । इस लिए उपर्युक्त समय का नियमन शीर्षक शीर्षोन्मुखी विभाग, अजमेर द्वारा आकाशवाणी के अकारिकोंगे के साथ विद्यालय-विद्यार्थी कर किया जाएगा । 5. अजमेर द्वारा आकाशवाणी के अकारिकोंगे के साथ विद्यालय-विद्यार्थी कर किया जाएगा । अजमेर द्वारा आकाशवाणी के उदयपुर तथा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर द्वारा प्रत्येक कक्षा है पुस्तकालय कालानाथ का नियमनित किया गया है । यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक छात्र/छात्रा पुस्तकालय सुधारित से लाभान्वित हो । 6. पाठ्यपद्धति विभाग पुस्तिकालय अनुसार प्रारंभिक योजना तैयार कर कर विद्यालय में शिक्षण कार्य कराया जाए । 7. राजस्थान माध्यमिक विद्यालय/माध्यमिक कालानाथ विद्यालयों के मन्त्री से स्थानीय लोगों के बीच विद्यालय/माध्यमिक कालानाथ एवं राजस्थान प्रारंभिक विद्यालय/प्रारंभिक कालानाथ नियमितिवार्षिक व्यबस्थाएँ नियुक्ति से दिलाई जाएं ।

1. उच्च माध्यमिक विद्यालय (कक्षा 1 से 12)	(दो पारी)	प्रथम पारी कक्षा 09 से 12 द्वितीय पारी कक्षा 01 से 08
--	-----------	--

2.	उच्च माध्यमिक विद्यालय (कक्षा 6 से 12)	(दो पारी)	प्रथम पारी कक्षा 9 से 12 द्वितीय पारी कक्षा 6 से 8
3.	उच्च माध्यमिक विद्यालय (कक्षा 9 से 12)	(दो पारी)	प्रथम पारी कक्षा 11 एवं 12 द्वितीय पारी कक्षा 9 एवं 10
4.	माध्यमिक विद्यालय	(दो पारी)	प्रथम पारी कक्षा 8 से 10

(कक्षा 01 से 10)	द्वितीय पारी कक्षा 1 से 5
माध्यमिक विद्यालय (कक्षा 6 से 10)	(दो पारी) प्रथम पारी कक्षा 9 से 10 द्वितीय पारी कक्षा 6 से 8

यदि एक ही शाला परिसर में दो विद्यालय संचालित हो तथा दो पारी में संचालन कर्तव्यकृति प्राप्त हो, तो माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रथम पारी में तात्पर्यपूर्ण/उच्च माध्यमिक विद्यालय किसी पारी में संचालित नहीं। प्राप्तवाने

प्राचीनकाल / उत्तर प्राचीनकाल विद्यालय इतिहास पाठ्य मन संस्कृत लाइब्रेरी हाई कॉलेज नामांकन विद्यालय यो दो दो से अधिक पाठ्यक्रमों से योग्य होना चाहिए ताकि उक्त विद्यालय की सभी तरह समस्त कालांक एक ही पाठ्य माने (संस्कृत पाठी है) संवाधित की जाएगी। जिला शिक्षण अधिकारी, प्रारम्भिक / माध्यमिक अपने तरत यह इस व्यवस्था में कोई परिवर्तन न करें।

**सहशाक गातायाच्या-** १. समस्त सहशाक कातायाच्या का आयाजन प्रसा.



# शिक्षा विभाग, राजस्थान

## पंचांग 2015-16

जागरूकता की प्रारंभिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा के सम्बन्ध विद्यालयों / अन्य वर्गों हेतु जलवायी विद्यालयों पर प्रशिक्षण शिखिए एवं शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालयों के लिए साल 2015-2016 का यह शिक्षण परामर्श प्रस्तुत है। इसके अन्तर्गत भूमि की संरचना एवं विद्यालयी कार्यक्रम, उपकारक, परीक्षा, खेलकूद प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोग अनिवार्य है। किसी शिक्षण अधिकारी एवं अधिकारी को पर यह प्रस्तुत करें। जिस शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक / माध्यमिक) मार्ग के अधिकारी की जावे करें तथा उनकी अनुशासन पर निर्देशक, प्रारंभिक / माध्यमिक शिक्षा अधिकारी, लोकप्रिय की स्थिति के बारे में संख्यातात्त्व परिवर्तन किया जावे सकता है।

प्राचीन तुम्हारा विदेशी की जगत् । १८ तुम्हारा स्थूल प्राची, बाल यापन आवश्यकता की बरुएँ जैसे थीं, रस्ता, स्त्रेनों, परिस्थि संविधान काम, बड़ी बढ़ती आदि क्रय की जा सकती है। इस राशि में सौ शौधालय/ मूत्रालयों की साफ़—साकाँह हैं प्रतिमात्रा । उत्तरांग के लिये उपर्युक्त रखे—खाल सुनिश्चित किया जाए (कैंसर शहरी केंद्र के विद्युतों के लिये)। जिला परियोजना विभाग (राजस्थानी राज्य आरम्भएसर) द्वारा समर्पण ग्रामीण विद्यालयों की रूपये 500 प्रतिमात्र की दर से

विद्यार्थी को परामर्श प्रशिक्षण का ध्यानका के साथ दर्शन के भावत प्रशिक्षण दिलाया जाए के समय की विद्यार्थियों को निश्चल वापरप्रयुक्त उपलब्ध करवाना सुनिश्चित होता जाए। ५. सत्र २०१४-१५ में श्रीपुण्ड्राउट एवं अनामकिंवद्वयों के लिए स्वाचित्त विद्यार्थी/ गैर आवासीय विशेष प्रशिक्षण विद्यर्थी के बालक-बालिकाओं को मुख्य धारा शोभायत्र /मूरतायत्र, प्रयेजल सुनिका के रखरखाव तथा स्वच्छता हेतु स्वच्छता अनुदान राशि का वितरण किया जाएगा। ६. प्रत्येक विद्यार्थी की शाश्वत स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वास्थ्य जीवी की जाए तथा श्रीपुण्ड्री संघान रियो जाए।

### कालांसार सत्र विभागम् - प्रतीतिवान् ०८ कालांसा में से कालांसारवार समय विभाजन

यहाँ तक सुनीश्चित कर। सरस्वती प्राप्तानि द्वारा द्विकांग कर सूखे बढ़ाव करेगी। अधिकारी योग्यता के लिए इन्हें शेष और अधिकारी एवं आमानिक वालाओं-बालिकाओं के माध्यम से सम्पर्क कर उनका आयु अनुरूप कक्ष में प्रवेश कराना।

के विषय प्रश्नावली को अधिकारीनकारी करना। अकेला नहीं करना। एवं अवधारकतानुसार निर्जन पाद्यग्रन्थ के माध्यम से विशेष प्रश्नावली की वाल्पनिका करना। (रसायन द्वारा) राजकीय विद्यालयों में नामांकित से शिक्षा से विदेष वालक-वालिकाओं को शिरिये के विरुद्ध निर्वाचित मापदण्ड से कम बढ़े होने पर राजकीय दिक्षिकाओं द्वारा संचयित पाद्यग्रन्थ के शास्त्र समय 6 घण्टे 15 मिनट होगा। अध्यायक एवं शाला का सामर्थ स्टाफ विद्यार्थियों के लिए नियमित शाला समय से 15 मिनट पूर्व शाला में उपस्थिति देंगे। इस अवधि में विद्यक शाला के शैक्षक एवं सहायीक गतिविधियों एवं अध्ययन-अध्यापन की दीनिक विधियों का विवरण देंगे।

समय सारणी—०१ जुलाई-२०१५ से शिक्षण कार्य प्रारम्भ होने पर एक पारी विद्यालयों हेतु समय सारणी निम्नानुसार होगी:-

क्र. सं.	विवरण	प्रीव्याकाल में विद्यालय संचालन हेतु कानूनी विधान	शीर्षकाल में विद्यालय संचालन हेतु कानूनी विधान
1	समयावधि	1 अक्टूबर से 30 सितंबर	1 अक्टूबर से 31 मार्च

	विद्यालय समय [विद्यार्थीको वर्ष]	7:15 बजे से 01:45 बजे तक [कुल 6-30पटे]	8:15 बजे से 2:45 बजे तक [कुल 6-30पटे]
2	विद्यालय समय [विद्यार्थीको वर्ष]	7:15 बजे से 01:45 बजे तक [कुल 6-30पटे]	8:15 बजे से 2:45 बजे तक [कुल 6-15पटे]
3	विद्यालय समय [विद्यार्थीको वर्ष]	7:30 बजे से 01:45 बजे तक [कुल 6-15पटे]	8:30 बजे से 2:45 बजे तक [कुल 6-15पटे]

4	प्राप्तिकरण वर्ग एवं योग्यतावाचक	7:30 बजे से 08:00 बजे तक (30 मिनट)	08:30 बजे से 09:00 बजे तक (30 मिनट)
5	प्रधम कालाश	8:00 बजे से 8:40 बजे तक (40 मिनट)	09:00 बजे से 09:40 बजे तक (40 मिनट)
6	द्वितीय कालाश	8:40 बजे से 9:20 बजे तक (40 मिनट)	09:40 बजे से 10:20 बजे तक (40 मिनट)
7	लघु विद्यमान	9:20 बजे से 9:30 बजे तक (10 मिनट)	10:20 बजे से 10:30 बजे तक (10 मिनट)

जुलाई, 2015				
रवि	5	12	19	26
सोम	6	13	20	27
मंगल	7	14	21	28
बुध	1	8	15	22
गुरु	2	9	16	23
शुक्र	3	10	17	24
शनि	4	11	18	25

अगस्त, 2015
रवि 30 2 9 16 23
सोम 31 3 10 17 24
मंगल 4 11 18 25
बुध 5 12 19 26
गुरु 6 13 20 27
शुक्र 7 14 21 28
शनि 1 8 15 22 29

सितम्बर, 2015
रवि
सोम
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि

अवृत्तबार, 2015
रवि
सोम
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि

नवम्बर, 2015						
रवि	1	8	15	22	29	
सोम	2	9	16	23	30	
मंगल	3	10	17	24		
बुध	4	11	18	25		
गुरु	5	12	19	26		
शुक्र	6	13	20	27		
शनि	7	14	21	28		

<b>दिसम्बर, 2015</b>
<b>रवि</b>
<b>सोम</b>
<b>मंगल</b>
<b>बुध</b>
<b>गुरु</b>
<b>शुक्र</b>
<b>अंशु</b>

# शिविरा पंचांग 2015-16

(ईनीएस) का 07 दिव्यांशु प्रशिक्षण (एसएसएस द्वारा)। 11 नवबर-दीपवली (अकाकाश), रात्रीय सिख दिवंस (उत्तरव.)। 12 नवबर-गोवर्णमेंट पॉइंट (अकाकाश)। 13 नवबर-यात्रा द्वारा (अकाकाश)। 14 नवबर-बाल दिवंस (उत्तरव.)। 18-21 नवबर-के-जीवीनी राजन्य सतर्गी खेल-खेल एवं बैठक-सभा प्रशिक्षण का आयोग (तीन दिनांकित)। (एसएसएस)। 20 नवबर-विदेशी अधिकारी वाले बालक विद्यार्थिओं का अंग उत्तरवर्ती वितरण। 19-25 नवबर-कौमी एकता सामाजिक का आयोग। 22 नवबर-NMMS परीक्षा-2016 का आयोग। 23 नवबर-कालिदास बर्बनी (उत्तरव.)। 23-25 नवबर-के-जीवीनी एवं मृतम् बालिका आवासीय विद्यार्थियों में शो रही आपारक शासी, एवं टीएलपूर्व, स्टेशनरी एवं अन्य शिक्षण सामग्री का वितरण (एसएसएस)। 25 नवबर-गोवर्णमेंट पॉइंट (अकाकाश)। 26 नवबर-सभा एवं सिख दिवंस (मध्ये)

जनवरी, 2016
१२
३१
३
१०
१७
२४
सोम
४
११
१८
२५
मंगल
५
१२
१९
२६
बुध
६
१३
२०
२७
गुरु
७
१४
२१
२८
शुक्र
१
८
१५
२२
२९
शनि
२
९
१६
२३
३०

<b>फरवरी, 2016</b>
<b>रवि</b>
<b>सोम</b>
<b>मंगल</b>
<b>बुध</b>
<b>गुरु</b>
<b>शुक्र</b>
<b>शनि</b>

रवि	<b>6</b>	<b>13</b>	<b>20</b>	<b>27</b>
सोम	<b>7</b>	<b>14</b>	<b>21</b>	<b>28</b>
मंगल	<b>1</b>	<b>8</b>	<b>15</b>	<b>22</b>
बुध	<b>2</b>	<b>9</b>	<b>16</b>	<b>23</b>
गुरु	<b>3</b>	<b>10</b>	<b>17</b>	<b>24</b>
शुक्र	<b>4</b>	<b>11</b>	<b>18</b>	<b>25</b>
शनि	<b>5</b>	<b>12</b>	<b>19</b>	<b>26</b>

<b>अप्रृता, 2016</b>
<b>रवि</b>
<b>सोम</b>
<b>मंगल</b>
<b>बुध</b>
<b>गुरु</b>
<b>शुक्र</b>
<b>शनि</b>

<b>ਮਈ, 2016</b>
<b>ਰਵਿ</b>
<b>1</b>
<b>ਸੋਤੇ</b>
<b>2</b>
<b>ਮੌਗਲ</b>
<b>3</b>
<b>ਤੁਧੁ</b>
<b>4</b>
<b>ਚੂਨ</b>
<b>5</b>
<b>ਥੁਕ</b>
<b>6</b>
<b>ਥਾਨੀ</b>
<b>7</b>
<b>8</b>
<b>9</b>
<b>10</b>
<b>11</b>
<b>12</b>
<b>13</b>
<b>15</b>
<b>16</b>
<b>17</b>
<b>18</b>
<b>19</b>
<b>20</b>
<b>21</b>
<b>22</b>
<b>23</b>
<b>24</b>
<b>25</b>
<b>26</b>
<b>27</b>
<b>28</b>
<b>29</b>
<b>30</b>
<b>31</b>

<b>जून, 2016</b>
रवि
सोम
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
पिंपडी

जून, 2016				
रुपी	5	12	19	26
रोम	6	13	20	27
मंबल	7	14	21	28
दुध	1	8	15	22
कुरु	2	9	16	23
शुक्र	3	10	17	24
सनि	4	11	18	25